श्री/श्रीमती/कुमारी सुनिल डायाभाई सोनगरा ने

गूजरात विद्यापीठ के नियमानुसार योगविद्या में अनुस्नातक डिप्लोमा के लिए

निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा किया है और उन्हें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण घोषित किया

जाता है। गूजरात विद्यापीठ द्वारा निश्चित की गई निम्नलिखित प्रतिज्ञा लेकर उन्होंने प्रतिज्ञा लेने की

पुष्टि में इस प्रमाणपत्र पर अपने हस्ताक्षर किये हैं। अतः हम, गूजरात विद्यापीठ के कुलपति, कुलनायक

और विद्यापीठ मंडल के सभी सदस्य उन्हें

योगविद्या में अनुस्नातक डिप्लोमा

की उपाधि प्रदान करते हैं और आशा रखते हैं कि ली गई प्रतिज्ञा के अनुसार वे ऐसा जीवन व्यतीत करेंगे/

करेंगी, जिससे गूजरात विद्यापीठ, देश और स्वभाषा की प्रतिष्ठा बढ़े।

दिनांक : १८ अक्तूबर, २०१४ शनिवार

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं जीवनपर्यंत स्वधर्म का पालन करूँगा/करूँगी और ऐसा जीवन व्यतीत करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी जिससे विद्यापीठ एवं देश और स्वभाषा की प्रतिष्ठा में वृद्धि हो। ईश्वर की कृपा और गुरुजनों के आशीर्वाद से मेरी प्रतिज्ञा पूरी हो।

प्रतिज्ञा लेने वाले के हस्ताक्षर
सुनिल डायाभाई सोनगरा

(मूल गुजराती का हिन्दी अनुवाद)

कुलपति

WHEREAS Shri/Shrimati/Kumari SUNIL DAYABHAI SONAGARA has completed his/her studies for the YOGA VIDYA NO ANUSNATAK DIPLOMA and has successfully passed the examination in First class in accordance with the rules and regulations of the Gujarat Vidyapith, and whereas he/she has also taken the pledge as prescribed by the Gujarat Vidyapith in testimony whereof he/she has signed hereunder.

We, the Chancellor, the Vice-Chancellor and the members of the Gujarat Vidyapith Mandal hereby confer on him/her the degree of

YOGA VIDYA NO ANUSNATAK DIPLOMA

(Post Graduate Diploma In Yoga Science)

and we hereby expect him/her to discharge his/her duties so as to enhance the prestige of the Gujarat Vidyapith, the country and the mother-tongue in accordance with the pledge.

Date : 18th October, 2014 Saturday

I solemnly affirm that I shall always endeavour to discharge my duties throughout my life so as to enhance the prestige of the Gujarat Vidyapith, the country and the mother-tongue. With the grace of God and blessings of the elders, may this pledge be fulfilled.

Solemnly affirmed by me
SUNIL DAYABHAI SONAGARA

(Translation of original in Gujarati)

KULAPATI
(Chancellor)